778

1-3-2018
गुरुवार

❀ आत्मा ❀

प्रत्येक दिन नहीं प्रत्येक
क्षण "वर्तमान" मे
ही जियो,

बाबास्वामी
1-3-2018

2-3-18
शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

वर्तमान का प्रत्येक
क्षण आपके ही
"भविष्य" को बना रहा है।

बाबास्वामी
2-3-18

780

3.3.18
शनीवार

❀ आत्मा ❀

समर्पण ध्यान मे विश्वास, मानना अनुकरण नहीं है। "अनुभुती" है।

बाबास्वामी
3.3.18.

781

4-3-18
रविवार

❀ आत्मा ❀

समर्पण ध्यान मे कोई भी उपदेश नहीं है।
"उपदेश" तो नया सम्प्रदाय बनाता है।

बाबास्वामी
4.3.18

782

5-3-18
सोमवार

❀ आत्मा ❀

समर्पण ध्यान मे किसी भी धर्म की शिक्षा नही है। "आत्मधर्म" की साधना है।

बाबास्वामी
5.3.18

783

6.3.18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

एक पत्ते के समान जो
नदी मे तैरता नही केवल
"तिरता" है, वह समर्पील
साधक होता है,

बाबास्वामी
6-3-2018

784

7-3-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

कोई भी व्यकती संपुर्ण "नास्तीक" नही होता भले ही वह भगवान को न मानता हो पर अपना "माँ" को तो मानता है। मानना ही आस्तीकता है।

बाबा स्वामी

7-3-18

8-3-18
गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आप अगर अपने आप को "दुखी:" करना चाहते है, तो आपको कोई भी बाहर से सुखी नही कर सकता है।

बाबास्वामी
8-3-18

786

9-3-18
शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

आप अगर अपने आप को "सुखी" करना चाहते है, तो कोई बाहर से आपको दुःखी नही कर सकता है,

बाबास्वामी
9-3-18

787

10-3-18
शनीवार

❀ आत्मा ❀

सुख और दुख: एक ही सिक्के के "दो पहलु" है।

स्वामी
10-3-18

11-3-18
रविवार

❀ आत्मा ❀

"सुख" और "दुख:" यह दोनो अवस्था के उपर ध्यान है।

बाबास्वामी
11-3-18

789

12.3.18
सोमवार

❀ आत्मा ❀

"सुख" और "दुख" केवल मन की मनोदशा है, जब मन का ही कोई अस्तीत्व नही है, तो सुख और दुःख का कैसे होगा

बाबा स्वामी
12.3.18

13.3.18
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

आत्मा और शरीर
के कारण ही मन
है, "मन" का अलग
अस्तित्व नहीं है,

बाबास्वामी
13-3-18

791

14-3-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

शुन्य के साथ शुन्य
को जोडो या घटाओ
तो भी शुन्य ही रहेगा।
क्योकी शुन्य "संपुर्ण" है।

बाबास्वामी
14-3-18

792
15-3-18
गुरुवार

आत्मा

शुन्य के समान परमात्मा भी संपुर्ण है, उसका कभी अंश नही हो सकता है,

बाबास्वामी
15.3.18

793

16.3.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

आप सभी के भितर
परमात्मा का अंश नही
"संपुर्ण" परमात्मा ही
विद्यमान है।

बाबास्वामी
16.3.18

795

17-3-18

शनीवार

❀ आत्मा ❀

लनीक अपने भितर के परमात्मा को अनुभव करने की देर है।

बाबास्वामी
17/3/18

18.3.18

रविवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा की खोज ही गलत है, जो भितर ही है, उसे बाहर कैसे खोजा जा सकता है,

बाबा स्वामी
18.3.18

|| गुडीपाडवा पर सभी को खुब खुब आशिर्वाद ||

(कच्छ समर्पण आश्रम से)

796

19.3.18

सोमवार

आत्मा

परमात्मा की खोज
बाहर नही अपने ही
भितर होनी चाहिये

बाबास्वामी
19.3.18

797

20.3.18

मंगलवार

ꕥ आत्मा ꕥ

हमने अपने आप को
रिकत कर लीया तो
हम अपने ही भितर
"परमात्मा" का अनुभव
करेगे ।

बाबास्वामी
20/3/18

798

21.3.18

बुधवार

आत्मा

सभी धार्मिक स्थल केवल "भितर" जाने का ही मार्गदर्शन करते है।

बाबास्वामी
21|3|18

799

22.3.18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

प्रार्थना अपेक्षा स्तोत्र करना परमात्मा को पाने का सबसे सरल मार्ग है।

बाबास्वामी
22/3/18

800

23.3.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

प्रयत्न से कभी भी
"परमात्मा" को पाया
नहि जा सकता है,

शनिवार
23/3/18

801

24.3.18

शनिवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" को कहीं बाहर खोजा नहीं जा सकता है।

बाबास्वामी
24.3.18

802

25.3.18

रविवार

आत्मा

परमात्मा की प्राप्ती
हमारे ही भितर की
एक संपुर्ण समाधान
की "स्थिती" है।

बाबास्वामी
25/3/18

803

26.3.18

सोमवार

🌸 आत्मा 🌸

यह स्थिती आने पर
"जिवन" मे पाने के
लिये कुछ भी नही
रह जाता है।

बाबास्वामी
26|3|18

804

27.3.18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

फिर इस स्थिती के बाद मनुष्य फीर केवल "देना" है,

बाबास्वामी
27/3/18

805

28-3-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

सब कुछ देने में ही
मुक्तता है। "रिक्त"
हो जाओ

बाबास्वामी
28/3/18

806

29.3.18

गुरुवार

आत्मा

सब कुछ बांट देने
का नाम ही "मुक्त"
अवस्था है,

बाबास्वामी
29.3.18

807

30.3.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"मोक्ष" ध्यान की सर्वोच्च अवस्था है। जो बांटने से प्राप्त होती है।

बाबास्वामी

30/3/18

४०४

31.3.18

शनिवार

आत्मा

बांटते समय सामने वाला "योग्य" है, या नही यह भी नही देखने है,

बाबास्वामी -
31.3.18